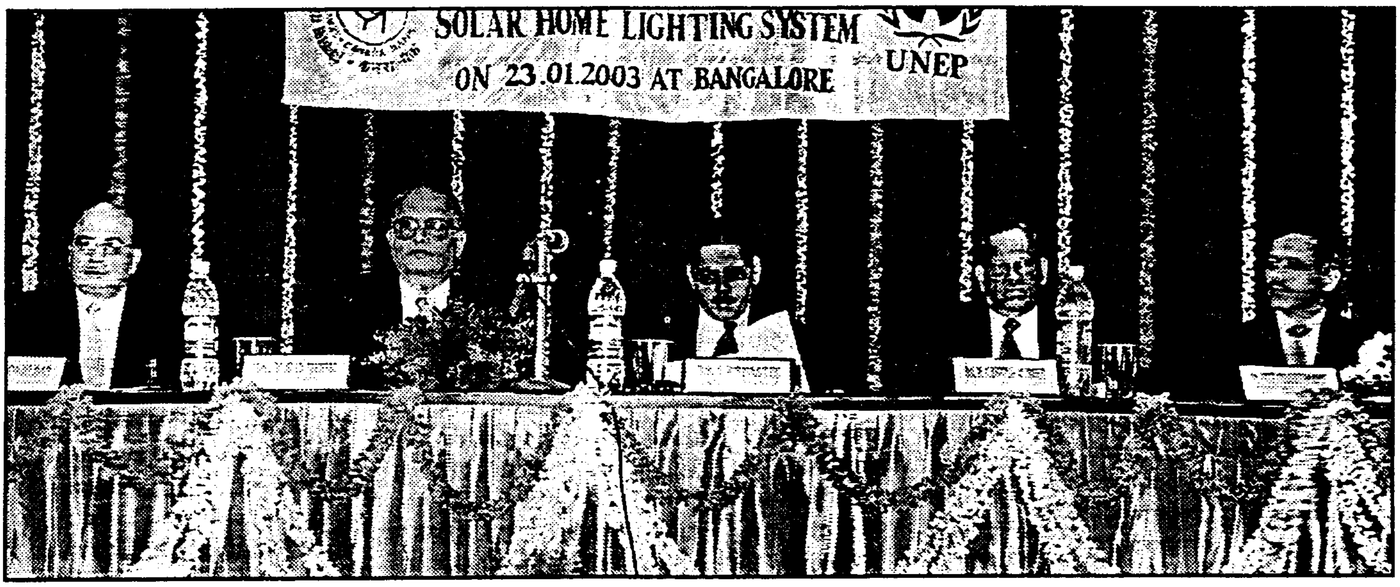

गुरुवार को सौर गृह प्रकाश प्रणाली स्थापित करने के लिए ऋण योजना के शुभारंभ के अवसर पर मंच पर उपस्थित केनरा बैंक के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक आर.वी. शास्त्री (बीच में), बैंक के महाप्रबंधक एम. गोकुलदास, के.आरई.डी.एल. के चेयरमेन वाई.एस.सी बोस केनरा बैंक के कार्यकारिणी निदेशक एन. कान्ता कुमार व अन्य (बाएं से दाएं)।

सौर गृह प्रकाश प्रणाली पर सस्ती दरों पर ऋण मिलेगा

बंगलौर

केनरा बैंक ने सौर गृह प्रकाश प्रणाली के लिए ऋण योजना शुरू कर दी है।

गुरुवार को यहां योजना की शुरूआत करते हुए केनरा बैंक के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक आर.वी. शास्त्री ने बताया कि कैनरा बैंक सौर गृह प्रकाश प्रणाली स्थापित करने के लिए ऋण प्रदान के लिए यूनाइटेड नेशन्स इन्वायरनमेंट प्रोग्राम के साथ करार करने वाला देश का प्रथम बैंक है। शास्त्री ने बताया कि केनरा बैंक 1996 से ही भारत सरकार के गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन विभाग के साथ मिलकर सौर जल तापन प्रणाली को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। शास्त्री के अनुसार सौर जल तापन प्रणाली की लोकप्रियता को देखते हुए ही सौर गृह प्रकाश प्रणाली की शुरूआत की गई है।

उन्होंने बताया कि इस नई योजना के तहत उपकरण की कीमत की 85 प्रतिशत राशि ऋण स्वरूप दी जाएगी, परन्तु यह राशि 25000 रुपए से अधिक नहीं होगी। इस योजना पर 11.25 प्रतिशत सालाना ब्याज जमा कराना होगा। ऋण ली गई राशि बैंक को लौटाने की अवधि 5 वर्ष है। शास्त्री ने बताया कि आगामी दो-तीन वर्ष में केनरा बैंक ने राज्य के लगभग दस हजार घरों में सौर प्रकाश प्रणाली उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है, जिस पर लगभग 15 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

केनरा बैंक के उप महाप्रबंधक आर. प्रभु ने बताया कि यह योजना केनरा बैंक की अर्ध शहरी एवं ग्रामीण शाखाओं में उपलब्ध होगी। प्रभु के अनुसार काम काजी लोग जिनकी वार्षिक आय 60 हजार रुपए है, इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत यूएनईपी द्वारा 15 प्रतिशत सब्सिडी मुहैय्या करायी जाएगी परन्तु यह सब्सिडी किस्त में समाहित कर दी जाएगी।

यूएनईपी ने सौर प्रकाश प्रणाली के उपकरण प्राप्त करने के लिए चार सप्लायर्स हैं - सेल्को सोलर लाइट प्राइवेट लिमिटेड, टाटा बीपी सोलर